



Neutral Citation Number- 2026:AHC:31877

उच्च न्यायालय, इलाहाबाद

रिट-सी संख्या -5730/2026

मनोज सिंह

.....याचिकाकर्ता/याचिकाकर्तागण

बनाम

उत्तर प्रदेश राज्य और 33 अन्य

.....प्रत्यर्थी/प्रत्यर्थीगण

याचिकाकर्ता/याचिकाकर्तागण के अधिवक्ता : श्रुति श्रीनेत, सुगेंद्र कुमार यादव

प्रत्यर्थी/प्रत्यर्थीगण के अधिवक्ता : सी.एस.सी., सुधीर भारती

न्याय कक्ष संख्या-6

माननीय न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया

1. उभय पक्षों के विद्वान अधिवक्ताओं को सुना गया तथा अभिलेख का अवलोकन किया गया।
2. इस मामले में पारित किए जाने वाले प्रस्तावित आदेश को देखते हुए, विपक्षी को नोटिस देने और इस याचिका को इस न्यायालय के समक्ष लंबित रखने से कोई सार्थक उद्देश्य पूरा नहीं होगा। तथापि, यदि विपक्षी इस आदेश से व्यथित महसूस करता है, तो आदेश में संशोधन/परिवर्तन की मांग करने का उसका अधिकार सुरक्षित रखा जा रहा है।
3. वर्तमान याचिका में याचिकाकर्ता द्वारा मांगी गई मूल राहत यह है कि प्रत्यर्थी संख्या-2/अपर जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन), देवरिया को अपील संख्या डी-202305200000216 (मनोज और अन्य बनाम यू.पी. सरकार और अन्य) का शीघ्रता से निपटारा करने का निर्देश दिया जाए।

“अस्वीकरण: अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।”



4. यह मामला अधीनस्थ अदालत में काफी लंबे समय से लंबित है और काफी समय बीत चुका है, लेकिन आज तक इस मामले में कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

5. इस मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए, इस याचिका का निपटारा इस निर्देश के साथ किया जाता है कि प्रत्यर्थी संख्या-2/अपर ज़िला मजिस्ट्रेट (प्रशासन), देवरिया, उपर्युक्त अपील पर विधि के अनुसार, और प्रत्यर्थी संख्या-2 के समक्ष प्रमाणित प्रति प्रस्तुत किए जाने की तारीख से शीघ्रतापूर्वक निर्णय लें; किंतु ऐसा करते समय, जब तक कोई कानूनी बाधा न हो, अनावश्यक स्थगन न दिया जाए।

(माननीय न्यायमूर्ति प्रकाश पांडिया)

12 फरवरी, 2026

सकलैन

“अस्वीकरण: अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।”